

तरसी तरसी रे नजरिया आज्ञा मनमोहना

तरसी तरसी रे नजरिया आज्ञा मनमोहना,
सूनी सूनी डगरिया आज्ञा मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया आज्ञा मनमोहना।

बिरहा अगन को सहते सहते सूखे आँसू बहते बहते,
रूठा सांवरिया आज्ञा मनमोहना
तरसी तरसी रे नजरिया आज्ञा मनमोहना

जाने कब धड़कन रुक जाए,
सदा के लिए पलके झुक जाएं,
ले ले खबरिया,
ले ले खबरिया मेरी अब तो मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया.....

सूना पड़ा है कदम पे झूला,
सावन भी अब बरसना भूला,
खाली गगरिया आज्ञा मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया.....

सदियों से दर्शन की चाह में,
सुंदर लाल खड़ा बीच राह में,
बीती उमरिया,
ये सारी उमरियां आज्ञा मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया.....

तरसी तरसी रे नजरिया आज्ञा मनमोहना,
सूनी सूनी डगरिया आज्ञा मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22525/title/tarsi-tarsi-re-najariya-aaja-manmohana>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |